>

Title: Need to increase the minimum support price of paddy in the country.

श्री के.डी. देशमुख (बालाघाट): सभापति महोदय, केन्द्र सरकार ने देश में किसानों के मोटे धान का समर्थन मूल्य 1000 रुपये घोषित किया है, जो लागत मूल्य से काफी कम है। सम्पूर्ण देश के धान उत्पादक किसान आंदोलन पर आंदोलन कर रहे हैं। किसानों को धान की खेती करने में अन्य फसलों की अपेक्षा ज्यादा लागत आती है और धान की फसलों पर बीमारियों का प्रकोप पर ज्यादा रहता है। लेकिन सरकार द्वारा कम समर्थन मूल्य घोषित किये जाने से मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और बिहार के किसानों में तीव्र आक्रोश उत्पन्न हो गया है।

माननीय सभापति जी, किसान परेशान और लाचार हो गये हैं। धान की फसल एकमात्र ऐसी फसल है, जिसमें ज्यादा मेहनत लगती है। धान की खेती इस समय घाटे की खेती हो गयी है। कीटनाशक दवाइयों के मूल्य बढ़ गये हैं, रासायनिक उर्वरकों के मूल्य बढ़ गये हैं, मजदूरों की मजदूरी बढ़ गयी है, कृषि यंत्रों के दाम बढ़ गये हैं और डीजल और पेट्रोल के दाम भी बढ़ गये हैं। पशु आहार के दाम भी बहुत बढ़ गये हैं। प्रामाणिक बीज की कीमत बहुत बढ़ गयी है। खेती में काम करने वाले पशुओं की कीमत भी बहुत बढ़ गयी है जिससे किसानों में हाहाकार मचा हुआ है। अभी वर्तमान में हिन्दुस्तान के किसान चाहते हैं कि केन्द्र सरकार का कृषि विभाग धान का समर्थन मूल्य बढ़ाये या उसके बदले कम से कम 500 रुपये बोनस प्रति क्विंटल दिया जाये और धान का समर्थन मूल्य 2000 रुपये प्रति क्विंटल किया जाये। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Tomorrow this is going to be discussed.

श्री के.डी. देशमुख : सभापति जी, आप हमें बोलने दीजिए। धान का सवाल है और लोग मर रहे हैं। इस लेकर पूरे देश में आंदोलन पर आंदोलन हो रहे हैं।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: When the issue is discussed tomorrow you can speak on this subject.

श्री के.डी. देशमुख : मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि कृषि मंत्री जी धान का समर्थन मूल्य 2000 रुपये करे।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Shri Hansraj Ahir may be allowed to associate himself with the subject.